बी. ए. द्वितीय वर्ष

(प्रथम प्रश्न पत्र)
नाटक, छन्द तथा व्याकरण

खण्ड (अ) **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**

व्याख्यात्मक भाग, (प्रथम, चतुर्थ, पंचम और सप्तम अंक, व्याख्या हेतु, द्रुतपाठ – शेष अंक)

खण्ड (ब) **अभिज्ञानशाकुन्तलम** (समीक्षात्मक प्रश्न)

खण्ड (स) **निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण**

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या,मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीड़ित, स्त्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता।

खण्ड (द) **व्याकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी**

1.कृदन्त प्रकरण

तव्यत्, अनीयर, यत्, क्यप, शतृ शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन, क्त, क्तवतु, ण्वुल,तृच्, ल्युट, अण्।

2.तद्धित प्रत्यय

अण्, ढक्, ष्यञ् त्व, तढक्, इमनिच्, तठक्, अञ्, मतुप्, इनि, इतच्,ईयसुन्, इष्ठन्, तरप्, ण्य, यञ्।

3.स्त्री प्रत्यय

टाप्, ङीष्, ङीप्, ङीन्।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

(द्वितीय प्रश्न पत्र)

पद्य तथा साहित्येतिहास

खण्ड (अ) रघुवंशमहाकाव्य (द्वितीय सर्ग)
(व्याख्यात्मक भाग)

खण्ड (ब) (1) रघुवंशमहाकाव्य (समीक्षात्मक प्रश्न)
(2) नीतिशतक (भर्तृहरि)

खण्ड (स) साहित्येतिहास
महाकाव्य तथा गद्य काव्य रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धि चरित, सौन्दरनन्द, पद्य चुड़ामणि, सुग्रीव वध, किरातार्जुनीयम्, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीय चरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेव चरित, राजतंगिणी। स्वप्नवासवदत्ता, दशकुमारचरित कादम्बरी, हर्षचरित, तिलकमंजरी, गद्य चिन्तामणी, शिवराज विजय।

खण्ड (द) साहित्येतिहास
गीतिकाव्य, मुक्तक तथा कथा साहित्य शतकत्रयी (भर्तृहरि), ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरूकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी, नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, वरदाम्बिका परिणय, पंचतंत्र, हितोपदेश, बेताल पंचविंशति, शुकसप्तति, कथा सरित्सागर, वृहत्कथा मंजरी, कथामुक्ताली, इक्षुगन्ध।

उल्लेखित कृतियों के रचयिताओं का सामान्य परिचय अपेक्षित हैं।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
Bilaspur